# Clbe wathly Ohatrure: , <br> -I NEWD SEREES OF THE ST•AR. 

| d. I. |  | T JOHN, TUESDAY, MAY 5, |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| han ien wiaie beq |  |  |  |  |
|  | sonage served the purpose of a hell in our coun-try, and what, I suppose, would in old timeshave been called a page. This lady herself was | \% |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| that bisimi |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | $\begin{aligned} & \text { than me, but very, little, and what of that? } \\ & \text { This was too much, and I made ay retrent as } \\ & \text { son as I could, determined nezer to come in } \\ & \text { such close quarters with her again:- pp. } 85,86 \text {. } \end{aligned}$ |  |  | ne. |
|  |  |  |  |  |
| dor |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | my. |  |  |
|  |  |  | Iomel |  |
| Cumante |  | towit ink the |  |  |
| Sole |  |  | lessin |  |
| Hos |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| , |  |  |  |  |
| and |  | , | nerim |  |
| \%oren |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| by wiuch widow Wadman |  |  | Memer |  |
| 何 |  |  |  |  |
| did moproviors realy coil |  |  |  |  |
|  | Men | ste | now |  |
| itece |  |  |  |  |
|  | 何 |  |  |  |
| Litese |  | Pa |  |  |
|  | From the Memoirs of John Shipp, late a Lieutenant in His Mujesty's 87 th Regiment. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

